दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 12 दिसंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 75

महत्वपूर्ण एवं खास

संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक ऐतिहासिक निर्णय में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है। इससे एक सूर्य एक विश्व एक ग्रिड को प्रोत्साहन मिलेगा। यह विश्व के लिए न्यायोचित ऊर्जा समाधान प्रस्तुत करने में सहायक होगा। केंद्रीय बिजली तथा एमएनआरई मंत्री आर. के. सिंह ने एक बधाई ट्वीट में कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय माननीय प्रधानमंत्री के एक सूर्य एक विश्व एक ग्रिड के विजन को आगे बढ़ाने में एक प्रारंभिक प्रयास होगा। सिंह ने इस अवसर पर ट्वीट किया और कहा कि इससे सौर ऊर्जा की तैनाती के माध्यम से उचित और न्यायसंगत ऊर्जा समाधान प्रस्तुत करने की पहल को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। सिंह ने यह भी कहा कि इससे वैश्विक सहयोग के माध्यम से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक सहायता मिलेगी। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि भारत बिजली मिश्रण में आरई का महत्वपूर्ण हिस्सा रखने के जरिए इस मिशन में उत्तरोत्तर योगदान दे रहा है।

अवैध रूप से रखे गये रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट, कई घर क्षतिग्रस्त

भागलपुर (आरएनएस)। बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया में रसोई गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। कहा जा रहा है कि नवगछिया बाजार में एक के बाद एक 20 से ज्यादा धमाके हुए, जिससे कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह सभी धमाके रसोई गैस सिलेंडर फटने से हुए। सिलेंडर फटने के बाद वहां भीषण आग लग गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इधर घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई। पुलिस पता कर रही है कि यहां इतनी संख्या में गैस सिलेंडर घर में क्यों रखा गया था। नवगछिया के पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार ने बताया कि तीन से चार घरों को नुकसान पहुंचा है। जिनके घर में विस्फोट हुआ है उस घर को ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

अमेरिका के केंटकी में भीषण बवंडर से तबाही, 50 लोगों की मौत, कई घर हुए क्षतिग्रस्त

वाशिंगटन। अमेरिका के कई इलाके भीषण बवंडर (तूफान) की चपेट में आ गए हैं। इस में अकेले अमेरिका के केंटकी में कम से कम 50 लोगों की मौत होने की खबर है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने कहा है कि, केंटकी और अन्य अमेरिकी राज्यों में बीती देर रात और शनिवार की शुरुआत में आए बवंडर के विनाशकारी प्रकोप के बाद कम से कम 50 लोगों की मौत होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश नुकसान ग्रेव्स काउंटी में हुआ है, जिसमें मेफील्ड शहर भी शामिल है। इसने मेफील्ड में उतनी ही तबाही मचाई है, जितना किसी भी शहर में आमतौर पर बवंडर आने पर होता है। आर्कन्सास का एक नर्सिंग होम और दक्षिणी इलिनोइस में अमेजन का एक गोदाम शुक्रवार रात एक बवंडर की चपेट में आ गया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। खराब मौसम के कारण टेनेसी में तीन लोगों की मौत हो गई। तूफान के कारण अमेजन के गोदाम की छत ढह जाने से कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। मिसौरी में भीषण तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली। जानकारी के अनुसार, बवंडर शुक्रवार की रात में अमेरिका के मध्य इलाके में आया। राज्यपाल ने कहा कि पानी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रेलर मेफील्ड की ओर जा रहे हैं, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को पीने का पानी मिल सके। बेशियर ने नेशनल गार्ड को तैनात करते हुए रातोंरात आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी थी। बेशियर ने कहा कि हमारे पास मेफील्ड में एक कारखाना है, जिसकी छत ढह गई है। ये एक बड़ी घटना है। बवंडर की वजह से प्रभावित इमारतों में ग्रेव्स काउंटी कोर्टहाउस और आसपास की जेल शामिल हैं। अमेरिकी जनगणना के अनुसार, मेफील्ड लगभग 10,000 लोगों का शहर है।

पिनाका-ईआर का परीक्षण सफल, दुश्मनों के मंसूबे को तबाह करेगा मल्टी बैरल लॉन्चर सिस्टम

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिनाका रॉकेट लॉन्चर प्रणाली की क्षमता को बढ़ाते हुए डीआरडीओ ने शनिवार को उन्नत संस्करण पिनाका-ईआर (विस्तारित रेंज) का सफल परीक्षण किया। पोखरण रेंज पर हुए इस मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण पूरा हुआ। डीआरडीओ ने इसे पुणे की आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) व हाई एनर्जी मैटेरियल रिसर्च लेबोरेटरी (एचईएमआरएल) के साथ मिलकर डिजाइन किया है। इस तकनीकी को भारतीय उद्योग क्षेत्र को हस्तांतरित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, ईआर पिनाका पिछले एक दशक से सेना में सेवा दे रही पिनाका का उन्नत संस्करण है। इस प्रणाली को नई टेक्नोलॉजी के साथ उभरती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। हाल ही में चीन के साथ तनाव के बीच भारत ने लाइन

ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर अपने बाहुबली 'पिनाक' रॉकेट सिस्टम को तैनात कर दिया है। भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर बना यह मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर पूरी तरह स्वदेशी है, जिसे डिफेंस रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने तैयार किया है।

अगस्त 2020 में रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए पिनाक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर के निर्माण के लिए 2,580 करोड़ रुपये की डील की थी। इसके लिए लॉर्सन ऐंड ट्रुबो और टाटा एयरोस्पेस ऐंड डिफेंस को कॉन्ट्रैक्ट मिला है। सरकारी कंपनी ब्रह्मोस को रॉकेट लॉन्चर के लिए ट्रकों की सप्लाई का ठेका मिला है। डीआरडीओ ने पूरी तरह स्वदेशी पिनाक की तकनीक को देश के प्राइवेट सेक्टर को सफलता से ट्रांसफर किया है। पिनाक से जुड़े 6 नए रेजिमेंट्स में 4 के लिए कॉन्ट्रैक्ट रूद्र को मिला है जबकि बाकी 2 के लिए टाटा एयरोस्पेस ऐंड डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग करेगी।

वहीं जून में ओडिशा तट के चांदीपुर रेंज में पिनाका रॉकेट के एडवांस वर्जन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इस स्वदेशी रॉकेट का परीक्षण मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर से 24-25 जून को किया गया। एडवांस वर्जन वाले 25 पिनाका रॉकेट को लक्ष्य पर ताबड़तोड़ छोड़ा गया। इन सभी रॉकेट को अलग अलग रेंज से छोड़ा गया था। लॉन्चिंग के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य पूरे हुए। बता दें, इससे पहले इस रॉकेट की रेंज 37 किलोमीटर थी। पिनाका रॉकेट के ऊपर हाई एक्सप्लोसिव फ्रेगमेंटेशन, क्लस्टर बम, एंटी-पर्सनल, एंटी-टैंक और बारूदी सुरंग उड़ाने वाले हथियार लगाए जा सकते हैं। यह रॉकेट 100 किलोग्राम तक के वजन के हथियार उठाने में सक्षम थी।

चॉपर क्रैश में जान गंवाने वाले 6 और जवानों के शव की हुई पहचान, सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (आरएनएस)। तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलिकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले भारतीय वायु सेना के सभी 4 कर्मियों की पहचान पूरी हो गई है। इसके अलावा लांस नायक बी साई तेजा और विवेक कुमार के शव की भी पहचान कर ली गई है। भारतीय सेना के मुताबिक, आज सुबह परिवार के करीबी सदस्यों को उनके शव सौंप दिए जाएंगे।

सेना ने कहा है कि उचित सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के लिए पार्थिव शरीर को हवाई मार्ग से ले जाया जाएगा। प्रस्थान से पहले बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट में माल्यार्पण किया जाएगा।

इस दुखद हादसे में देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत और उनकी पत्नी सहित कुल 13 सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। रावत और उनकी पत्नी सहित तीन लोगों के शव की पहचान तो कर ली गई थी, लेकिन बाकियों की पहचान नहीं हो पा रही थी। हालांकि अब छह और लोगों के शवों की पहचान कर ली गई है।

एम. वेंकैया नायडु आज हैदराबाद में एक भारत श्रेष्ठ भारत पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु कल हैदराबाद सिटी में एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय आउटरीच ब्यूरो द्वारा किया जाएगा। यह प्रदर्शनी हरियाणा और तेलंगाना जैसे समरूप राज्यों के कला रूपों, व्यंजनों, त्योहारों, स्मारकों, पर्यटन स्थलों आदि जैसे विभिन्न दिलचस्प पहलुओं को रेखांकित करेगी। यह प्रदर्शनी 12 से 14 दिसंबर, 2021 तक हैदराबाद के नामपल्ली के पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय परिसर में अवलोकन के लिए खुली रहेगी। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम राष्ट्रीय अखंडता की भावना को बढ़ावा देने और हमारे देश के लोगों के बीच भावनात्मक बंधन के ताने-बाने को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार द्वारा की गई एक अनूठी पहल है। एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, की 140वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। ईबीएसबी का यह उद्देश्य राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश की जोड़ी बनाने की अवधारणा के माध्यम से अर्जित किया जाना है। देश के प्रत्येक राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश को एक समय अवधि के लिए दूसरे राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के साथ जोड़ा जाएगा, जिसके दौरान वे भाषा, साहित्य, व्यंजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि के क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ एक संरचित भागीदारी करेंगे।

चार लोगों के मलद्वार से निकला 7 किलो सोना, हैदराबाद एयरपोर्ट पर हुई जांच

हैदराबाद (आरएनएस)। कस्टम डिपार्टमेंट से बचने के लिए तस्कर अलग-अलग रास्ते अपनाते हैं। लेकिन हैदराबाद एयरपोर्ट पर पकड़े गए तस्करों ने जो रास्ता अपनाया, वह हैरान करने की सभी सीमाएं पार कर गया। असल में इन तस्करों ने मलद्वार में सोना छुपा रखा था। इन तस्करों की संख्या चार है। इनके पास से बरामद सोने का वजन 7.3 किलोग्राम है, वहीं इसकी अनुमानित कीमत 3.6 करोड़ रुपए है।

जानकारी के मुताबिक चार सूडानी नागरिक दुबई-हैदराबाद एयर इंडिया फ्लाइट से यहां पहुंचे। इनमें दो पुरुष और दो महिला थीं। अधिकारियों ने बताया कि शक होने पर कस्टम डिपार्टमेंट ने इन सभी की तलाशी ली। तलाशी में जब इनके इस तरह से तस्करी की बात सामने आई तो अधिकारी भी चौंक गए। अधिकारियों ने बताया कि इन्होंने अपने मलद्वार में सोना छुपा रखा था। फिलहाल बरामद किया गया सोना कस्टम विभाग की रखवाली में है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वैसे यह पहला मामला नहीं है जब तस्करों ने इस तरह का अनूठा रास्ता अपनाया है। इसी साल

जुलाई में चेन्नई एयरपोर्ट पर एक तस्कर पकड़ा गया था। उसने करीब 810 ग्राम सोना अपने मलाशय में छुपा रखा था। इस सोने को उसने पेस्ट के रूप में चार बंडलों में पैक करके छुपाया था। दुबई से आने वाले इस यात्री के पास से बरामद सोने की कीमत 40 लाख रुपए से ज्यादा आंकी गई थी। कुछ महीने पहले ही दुबई-हैदराबाद के रास्ते से आने वाली फ्लाइट से ही आने वाला एक अन्य तस्कर गिरफ्तार किया गया था। इस तस्कर ने एक रीचार्जेबल लालटेन में छह किलो सोना चिपका रखा था। यह मामला इसी साल अक्टूबर का है। अक्टूबर में ही एयरपोर्ट अधिकारियों ने एक महिला सूडानी यात्रा को सोने की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया था। इस यात्री ने अपने अंडरवियर और हैंड बैग में 1200 ग्राम सोना पेस्ट की तरह से छुपा रखा था।

आजीविका अवसरों के साथ जुड़े वहनीय स्टार्ट-अप्स भारत के भविष्य की अर्थव्यवस्था की कुंजी होंगे- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने आज सुबह गोवा के पणजी में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (आईआईएसएफ-2021) के सातवें संस्करण का उद्घाटन किया, जहां उन्होंने वहनीय स्टार्ट-अप्स पर जोर दिया और कहा कि आजीविका अवसरों के साथ जुड़े स्टार्ट-अप्स में स्थायित्व भारत के भविष्य की अर्थव्यवस्था की कुंजी है।

भारत की वर्तमान आबादी में शामिल 70 प्रतिशत से अधिक युवाओं को देश

की सबसे बड़ी परिसंपत्ति बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि जैसे हम सतत लक्ष्यों पर जोर देते हैं, समय आ गया है कि वहनीय स्टार्ट-अप्स पर भी जोर दिया जाए। उपस्थित जन-समूह को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने युवाओं से कृषि, डेयरी, पशुपालन, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, फार्मा, लॉजिस्टिक्स एवं नवोन्मेषी स्टार्ट-अप्स परितंत्र के माध्यम से अपशिष्ट से संपदा जैसे सेक्टरों में अवसरों की खोज द्वारा आजीविका के वैकल्पिक स्रोतों का सृजन करने के बारे में सोचने के लिए सही प्रकार की प्रवृत्ति की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के साथ लोगों के जीवन को सरल बनाते हुए स्टार्ट-अप्स न केवल श्रेणी-3 और 4 के बाजारों में फल-फूल रहे हैं, बल्कि रोजगार के विशाल अवसरों का सृजन करते हुए ग्रामीण लोगों तथा ग्राहकों के जीवन को भी प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत को उन्नत समाधानों तथा सेवाओं के साथ जोड़ते हुए, ये स्टार्ट-अप्स डिजिटल इंडिया अभियान के लिए नवोन्मेषी तथा त्वरित कार्यक्रमों के रूप में उभर रहे हैं।

केंद्रीय आयुष और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय पर्यटन और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, मध्य प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन, विज्ञान भारती के अध्यक्ष डॉ विजय भटकर और वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों ने आज के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

भारत में कोविड-19 टीकाकरण का कुल कवरेज लगभग 132 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (आरएनएस)। 24 घंटों के दौरान टीके की 76,36,569 खुराकें लगाने के साथ आज सात बजे सुबह तक की अनन्तिम रिपोर्ट के अनुसार देश का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 131.99 करोड़ (1,31,99,92,482) के पार पहुंच गया। इसे 1,37,65,868 सत्रों के जरिये पूरा किया गया। पिछले 24 घंटों में 9,265 मरीजों के स्वस्थ होने से स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है (महामारी के शुरू होने से लेकर अब तक), जो इस समय 3,41,14,331 है।

परिणामस्वरूप भारत की रिकवरी दर इस समय 98.36 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 से अपने उच्चतम स्तर पर है।

पिछले 44 दिनों से 15 हजार से कम दैनिक मामले आने का रुझान लगातार बना हुआ है। यह केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मिले-जुले और सतत प्रयासों का नतीजा है।

पिछले 24 घंटों में कुल 7,992 नये मामले दर्ज किये गये।

इस समय सक्रिय केसलोड 93,277 है, जो 559 दिनों में न्यूनतम है। सक्रिय मामले इस समय देश के कुल पॉजीटिव मामलों का 0.27 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 से अपने न्यूनतम स्तर पर हैं।

ओमिक्रॉन की चपेट में आई 3 साल की बच्ची , नए वायरस से अब तक 32 संक्रमित, मुंबई में बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित होने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि ओमिक्रॉन से संक्रमित नए मरीजों में महाराष्ट्र की एक साढ़े तीन साल की बच्ची भी है। महाराष्ट्र में सात और गुजरात में दो नए मामले आने के बाद यह संख्या सामने आई है। अधिकारियों के मुताबिक पिछले तीन दिन में देश में ओमीक्रॉन वैरिएंट के एक भी मामले सामने नहीं आए थे। देश में अभी तक चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में इस नए वैरिएंट से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 17, राजस्थान में नौ, गुजरात में तीन, कर्नाटक में दो और दिल्ली में एक हैं।

संक्रमण को देखते हुए मुंबई पुलिस ने शहर में बड़ी सभाओं पर दो दिन का प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। मुंबई में अगले दो दिनों में लोगों और वाहनों की रैलियों और विरोध मार्चों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस उपायुक्त (संचालन) द्वारा जारी आदेश शनिवार और रविवार को 48 घंटे तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने कहा, यह कोविड-19 के नए ओमिक्रॉन संस्करण से मानव जीवन के लिए खतरे को रोकने के लिए जारी किया गया है। साथ ही अमरावती, मालेगांव और नांदेड़ में हुई हिंसा को देखते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का भी खतरा है।

चार पूरी तरह से वैक्सीनेटेड- महाराष्ट्र में शुक्रवार को ओमिक्रॉन के 7 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही इस राज्य में इस वैरिएंट से संक्रमित होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 17 पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की ताजा रिपोर्ट में इन मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से तीन मुंबई और चार पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन से हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इन सात नए संक्रमितों में से चार पूरी तरह से वैक्सीनेटेड हैं। वहीं एक मरीज को सिंगल डोज लगी है, एक अन्य को वैक्सीन नहीं लगी है, जबकि साढ़े तीन साल की बच्ची वैक्सीनेशन के लिए एलीजिबल नहीं थी।

ऐसी है ट्रैवेल हिस्ट्री- महाराष्ट्र में मिले संक्रमितों में मुंबई के सभी मरीज पुरुष हैं और इनकी आयु क्रमशः 48, 37 और 25 साल है। इनकी ट्रैवेल हिस्ट्री की बात करें तो यह हाल ही में तंजानिया, ब्रिटेन और अफ्रीका के नैरोबी से आए हैं। बीएमसी के मुताबिक इनमें तंजानिया से लौटा शख्स घनी आबादी वाले धारावी का रहने वाला है। वह एसिप्टोमैटिक था और उसे लोगों से घुलने-मिलने से पहले ही आइसोलेट कर दिया गया था। वहीं उसके दो क्लोज कांटैक्ट्स का कोविड टेस्ट निगटिव आया है। 37 वर्षीय शख्स गुजरात का रहने वाला है। चार दिन दिसंबर को मुंबई आने पर उसका कोरोना टेस्ट हुआ था। बीएमसी के मुताबिक वह पूरी तरह से वैक्सीनेटेड है और माइल्ड सिंपटम्स हैं। उसे एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया था। वहीं 25 वर्षीय युवक लंदन से लौटा है। वह 1 दिसंबर को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। उसके अंदर कोई सिंपटम नहीं मिला है और उसने वैक्सीन की दोनों डोज नहीं ली है।

पुणे के नाइजीरिया से लौटी थीं महिलाएं- वहीं पुणे में संक्रमित पाए गए सभी चारों व्यक्ति नाइजीरिया से आई तीन महिलाओं के क्लोज कांटैक्ट्स हैं। यह सभी हाल ही में लौटी थीं और ओमिक्रॉन से संक्रमित पाई गई थीं। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक चार नए मरीज एसिप्टोमैटिक थे, वहीं तीन अन्य में माइल्ड सिंपटम्स पाए गए थे। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहाकि पुणे में मिले ओमिक्रॉन के सात मरीजों में पांच कोरोना निगेटिव हो गए हैं।